



---

10 Apr 2026

08:26 AM

Fatehabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946212

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 10/04/2026  
दिन \_\_\_\_\_: शुक्रवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 08:26:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 05:45:09 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Fatehabad  
राज्य \_\_\_\_\_: Haryana  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 29:31:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 75:27:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:28:12 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 07:57:48 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:01:21 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 21:11:14 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:07:56 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:51:40 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 12:43:45 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 26:01:50 मीन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 07:57:21 वृष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: वृष - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: पूर्वाषाढा - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शुक्र  
योग \_\_\_\_\_: शिव  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: वानर  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: श्वान  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ढा-ढालचंद  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मेष

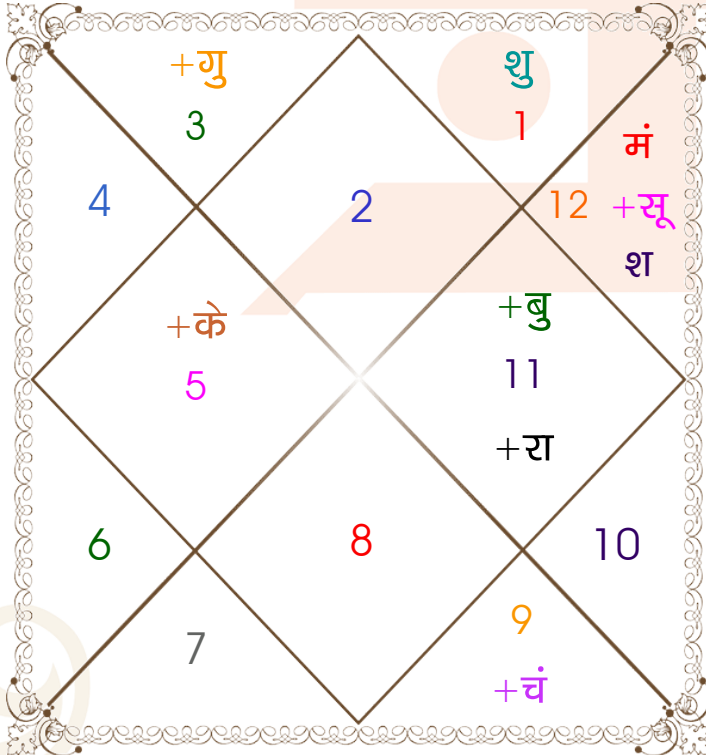
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह    | व | अ | राशि | अंश      | गति       | नक्षत्र     | पद | नं. | रा    | न     | अं.   | स्थिति     |
|---------|---|---|------|----------|-----------|-------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न    |   |   | वृष  | 07:57:21 | 393:33:51 | कृतिका      | 4  | 3   | शुक्र | सूर्य | शुक्र | ---        |
| सूर्य   |   |   | मीन  | 26:01:50 | 00:58:56  | रेवती       | 3  | 27  | गुरु  | बुध   | राहु  | मित्र राशि |
| चंद्र   |   |   | धनु  | 25:08:29 | 12:04:10  | पूर्वाषाढा  | 4  | 20  | गुरु  | शुक्र | बुध   | सम राशि    |
| मंगल    | अ |   | मीन  | 06:00:44 | 00:46:43  | उ०भाद्रपद   | 1  | 26  | गुरु  | शनि   | बुध   | मित्र राशि |
| बुध     |   |   | कुंभ | 29:07:14 | 01:14:31  | पू०भाद्रपद  | 3  | 25  | शनि   | गुरु  | सूर्य | सम राशि    |
| गुरु    |   |   | मिथु | 22:15:59 | 00:05:26  | पुनर्वसु    | 1  | 7   | बुध   | गुरु  | शनि   | शत्रु राशि |
| शुक्र   |   |   | मेष  | 18:37:18 | 01:13:32  | भरणी        | 2  | 2   | मंगल  | शुक्र | राहु  | सम राशि    |
| शनि     | अ |   | मीन  | 12:27:00 | 00:07:21  | उ०भाद्रपद   | 3  | 26  | गुरु  | शनि   | मंगल  | सम राशि    |
| राहु    | व |   | कुंभ | 13:49:47 | 00:00:16  | शतभिषा      | 3  | 24  | शनि   | राहु  | बुध   | मित्र राशि |
| केतु    | व |   | सिंह | 13:49:47 | 00:00:16  | पू०फाल्गुनी | 1  | 11  | सूर्य | शुक्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष    |   |   | वृष  | 04:57:14 | 00:02:54  | कृतिका      | 3  | 3   | शुक्र | सूर्य | शनि   | ---        |
| नेप     |   |   | मीन  | 08:18:59 | 00:02:11  | उ०भाद्रपद   | 2  | 26  | गुरु  | शनि   | शुक्र | ---        |
| प्लूटो  |   |   | मक   | 11:07:14 | 00:00:44  | श्रवण       | 1  | 22  | शनि   | चंद्र | मंगल  | ---        |
| दशम भाव |   |   | मक   | 21:07:25 | --        | श्रवण       | -- | 22  | शनि   | चंद्र | शुक्र | --         |

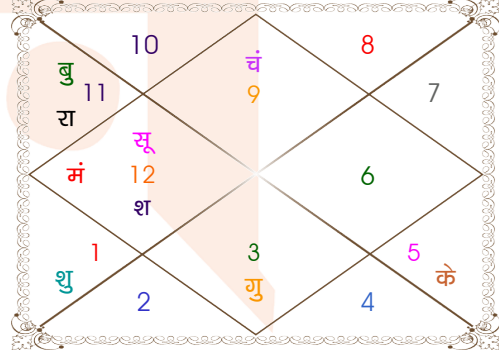
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

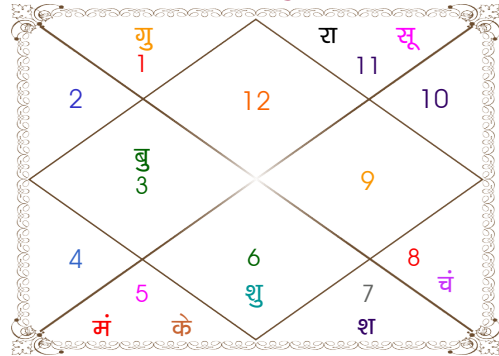
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 3 मास 13 दिन

| शुक्र 20 वर्ष   | सूर्य 6 वर्ष     | चंद्र 10 वर्ष    | मंगल 7 वर्ष      | राहु 18 वर्ष     |
|-----------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 10/04/2026      | 23/07/2028       | 24/07/2034       | 23/07/2044       | 24/07/2051       |
| 23/07/2028      | 24/07/2034       | 23/07/2044       | 24/07/2051       | 24/07/2069       |
| 00/00/0000      | सूर्य 10/11/2028 | चंद्र 24/05/2035 | मंगल 20/12/2044  | राहु 05/04/2054  |
| 00/00/0000      | चंद्र 12/05/2029 | मंगल 23/12/2035  | राहु 07/01/2046  | गुरु 29/08/2056  |
| 00/00/0000      | मंगल 17/09/2029  | राहु 23/06/2037  | गुरु 14/12/2046  | शनि 06/07/2059   |
| 00/00/0000      | राहु 11/08/2030  | गुरु 23/10/2038  | शनि 23/01/2048   | बुध 22/01/2062   |
| 00/00/0000      | गुरु 30/05/2031  | शनि 24/05/2040   | बुध 19/01/2049   | केतु 10/02/2063  |
| 00/00/0000      | शनि 11/05/2032   | बुध 23/10/2041   | केतु 17/06/2049  | शुक्र 10/02/2066 |
| 10/04/2026      | बुध 18/03/2033   | केतु 24/05/2042  | शुक्र 17/08/2050 | सूर्य 04/01/2067 |
| बुध 24/05/2027  | केतु 24/07/2033  | शुक्र 23/01/2044 | सूर्य 23/12/2050 | चंद्र 05/07/2068 |
| केतु 23/07/2028 | शुक्र 24/07/2034 | सूर्य 23/07/2044 | चंद्र 24/07/2051 | मंगल 24/07/2069  |

| गुरु 16 वर्ष     | शनि 19 वर्ष      | बुध 17 वर्ष      | केतु 7 वर्ष      | शुक्र 20 वर्ष    |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 24/07/2069       | 24/07/2085       | 24/07/2104       | 25/07/2121       | 24/07/2128       |
| 24/07/2085       | 24/07/2104       | 25/07/2121       | 24/07/2128       | 00/00/0000       |
| गुरु 11/09/2071  | शनि 27/07/2088   | बुध 21/12/2106   | केतु 21/12/2121  | शुक्र 24/11/2131 |
| शनि 24/03/2074   | बुध 06/04/2091   | केतु 18/12/2107  | शुक्र 20/02/2123 | सूर्य 23/11/2132 |
| बुध 29/06/2076   | केतु 14/05/2092  | शुक्र 18/10/2110 | सूर्य 28/06/2123 | चंद्र 25/07/2134 |
| केतु 05/06/2077  | शुक्र 15/07/2095 | सूर्य 25/08/2111 | चंद्र 27/01/2124 | मंगल 24/09/2135  |
| शुक्र 04/02/2080 | सूर्य 26/06/2096 | चंद्र 23/01/2113 | मंगल 24/06/2124  | राहु 24/09/2138  |
| सूर्य 22/11/2080 | चंद्र 25/01/2098 | मंगल 20/01/2114  | राहु 13/07/2125  | गुरु 25/05/2141  |
| चंद्र 24/03/2082 | मंगल 06/03/2099  | राहु 09/08/2116  | गुरु 18/06/2126  | शनि 24/07/2144   |
| मंगल 28/02/2083  | राहु 11/01/2102  | गुरु 15/11/2118  | शनि 28/07/2127   | बुध 11/04/2146   |
| राहु 24/07/2085  | गुरु 24/07/2104  | शनि 25/07/2121   | बुध 24/07/2128   | 00/00/0000       |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 3 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म कृतिका नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ है। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न में मीन का नवमांश एवं वृषभ राशि का द्रेष्काण उदित था। उपयुक्त लग्न नवमांश के प्रभाव से आप जब मानवीय जीवन में प्रवेश किए अर्थात् बाल्यकाल से ही आपका जीवन अच्छे विचार से प्रारंभ हुआ। यथा उत्तम प्रकार का भोजन, उदार भावना, उत्कृष्ट साज-श्रृंगार पहनावा आदि अन्य व्यक्तियों को प्रभावित करता है। आप काम शक्ति भावना से प्रेरित हैं, तथा आप अपनी संपत्ति को यथा संभव अखंडित एवं अपव्यय रहित धन कोष की वृद्धि के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहने का ज्ञान आप में विद्यमान है। आप धन की महत्ता को भली प्रकार जानते हैं, तथा धन संचयन को महत्व देते हैं। आप अपने धन का निवेश एवं व्यय के प्रति अत्यंत सतर्क रहेंगे। तथापि आपकी एक छोटी यह समस्या है कि अकस्मात् आप ठीक निर्धारित समय पर काम के प्रति आलस्य ग्रस्त हो जाते हैं, तथा शीघ्र ही उस कार्य को सुलभ और आसान समझ लेते हैं। आपको इस प्रकार की मनोवृत्ति में बदलाव लाना अर्थात् दमन करना आवश्यक है।

यद्यपि आप सांसारिक सुखों से युक्त, धन से संपन्न एवं अत्यधिक सुसंस्कृत हैं। आप बहुत बड़े धार्मिक तथा धर्मस्थलों की यात्रा भी करते रहते हैं। आप अब तक निश्चित रूप से कई आंशिक यात्रा के क्रम में सामुद्रिक यात्रा करके बहुत व्यापाक रूप से मित्र बनाए हैं और बहुत मात्रा में देश और विदेश के क्षेत्रों में आपके कई घनिष्ट मित्र बन चुके हैं। वे लोग आपके कार्य-कलाप में मुख्य भूमिका निभाते हैं। आप भी उन मित्रों के साथ सहयोगात्मक भावना से यदा-कदा उनकी सहायता के लिए समय-समय पर निश्चित रूप से जाते हैं।

आप मध्यम कद के उन्नत लालट एवं चमकीली आंखों से युक्त हैं। आप अधिक समय तक सुंदर स्वास्थ्य से युक्त एवं आनंद प्राप्त करते रहेंगे। परंतु कुछ वर्षों के पश्चात् आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उपस्थित होंगी। यथा मस्तिष्क ज्वर, कब्जीयत फोड़ा फुंसी एवं रक्त दोष से आशंत होंगे। आपको एक बार बीमार होने से परेशानी उपस्थित होगी कि आप दीर्घकालीन रोगग्रत होंगे तथा आपके दौर्बल्यता के कारण बेहोश भी हो जाया करेंगे, तथा आपको स्वास्थ्य लाभ की क्षमता सीमित मात्रा में रहेगी। अतएव आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अन्यथा इस प्रकार ऐसा संभाव्य है कि आप रोग से मुक्त नहीं हो सकेंगे। आपके द्वारा पसंद किया गया जीवन साथी के साथ पूर्ण रूपेण बहुत दिनों तक आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु एक बार अपनी इच्छानुसार आश्वस्त होकर सामंजस्य कर लें तो जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा तथा पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सामान्यतः आपको निर्देश है कि आपका प्रभाव बृष राशीय दृष्टिकोण से प्रभावित है अतः आपके लिए बृश्चिक, मीन, कन्या एवं मकर राशि के व्यक्ति अनुकूल रहेंगे। यदि आप इन राशि वालों से संबंधित रहे तों आपका भौतिकी जीवन सुखमय एवं मधुर रहेगा।

अंततः आप बहुत अधिक सचेत व्यक्ति हैं, अस्तु आपको निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देना आवश्यक है।

आप लाल रंग का उपयोग अपने जीवन में कदापि नहीं करें। क्योंकि यह रंग आपके लिए प्रतिकूल है। आपके लिए हरा, गुलाबी, एवं सफेद रंग जन्म प्रभाव से अनुकूल हैं।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक पूर्ण रूपेण प्रभावशाली हैं। इसके अतिरिक्त अंक 7 एवं 8 अंक आपके लिए आकर्षक हैं। अंक-1, 3, 4 एवं 6 अंक आपके लिए निष्क्रिय दिन हैं।

